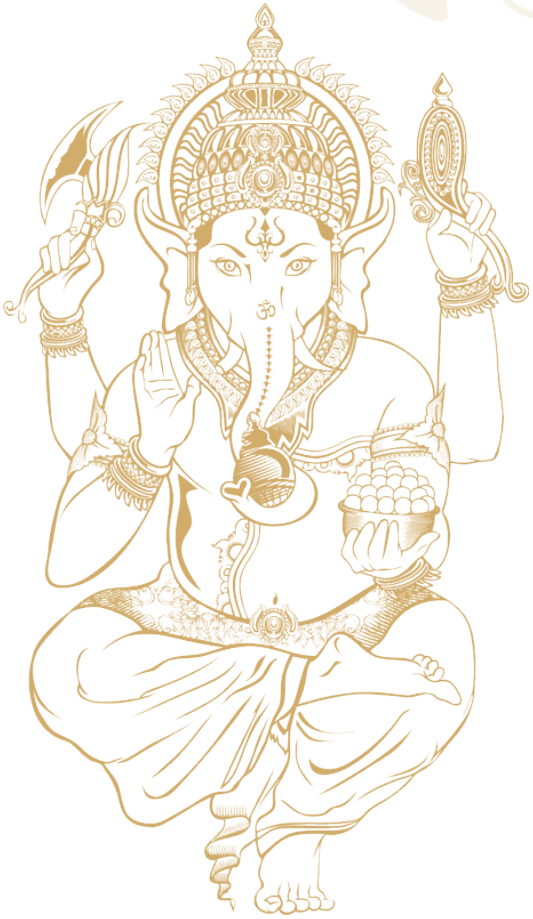

Diksha

14 Feb 1994

05:25 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121173606

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13-14/02/1994**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:25:00 घंटे**
इष्ट	55:21:56 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:54:28 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	14:29:35 घंटे
सूर्योदय	07:16:13 घंटे
सूर्यास्त	18:13:42 घंटे
दिनमान	10:57:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:16:47 कुम्भ
लग्न के अंश	27:01:44 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थानसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	27:01:44	381:36:29	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	01:16:47	01:00:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	09:46:58	12:01:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	19:21:41	00:47:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध	व		कुंभ	13:10:45	00:27:47	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			तुला	20:32:46	00:02:42	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	07:59:14	01:15:10	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	08:07:34	00:07:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	04:42:42	00:09:52	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	04:42:42	00:09:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष			मक	00:20:11	00:03:10	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:17:38	00:01:59	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	04:13:24	00:00:33	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			तुला	16:01:49	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:46

लग्न-चलित

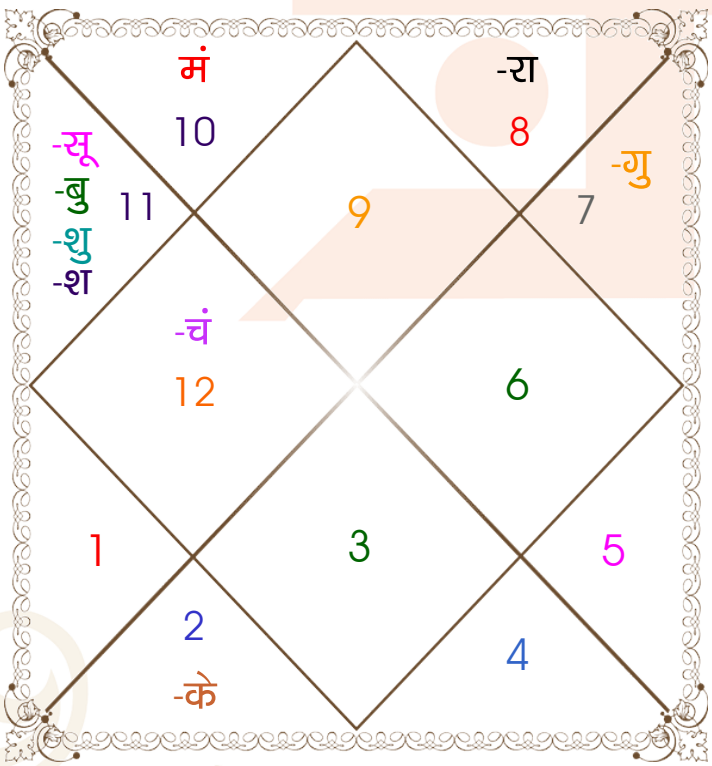

चन्द्र कुंडली

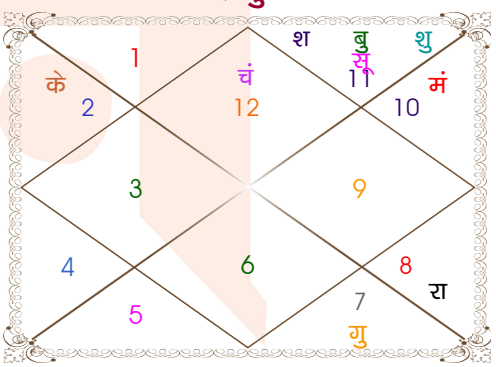

नवमांश कुंडली

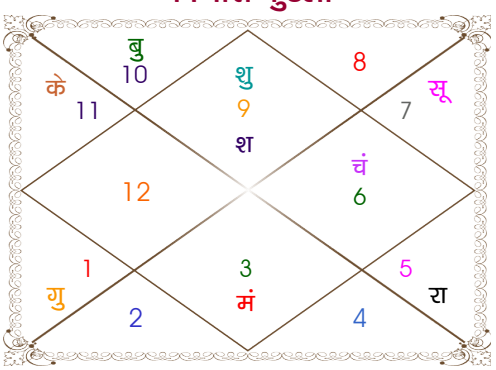

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 9 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/02/1994		07/12/2003		06/12/2020		07/12/2027		07/12/2047	
07/12/2003		06/12/2020		07/12/2027		07/12/2047		06/12/2053	
	00/00/0000	बुध	04/05/2006	केतु	04/05/2021	शुक्र	07/04/2031	सूर्य	25/03/2048
	00/00/0000	केतु	01/05/2007	शुक्र	04/07/2022	सूर्य	06/04/2032	चंद्र	24/09/2048
	14/02/1994	शुक्र	01/03/2010	सूर्य	09/11/2022	चंद्र	06/12/2033	मंगल	30/01/2049
शुक्र	27/11/1994	सूर्य	06/01/2011	चंद्र	10/06/2023	मंगल	05/02/2035	राहु	24/12/2049
सूर्य	09/11/1995	चंद्र	06/06/2012	मंगल	06/11/2023	राहु	05/02/2038	गुरु	13/10/2050
चंद्र	10/06/1997	मंगल	03/06/2013	राहु	24/11/2024	गुरु	06/10/2040	शनि	25/09/2051
मंगल	19/07/1998	राहु	22/12/2015	गुरु	31/10/2025	शनि	07/12/2043	बुध	31/07/2052
राहु	25/05/2001	गुरु	29/03/2018	शनि	09/12/2026	बुध	06/10/2046	केतु	06/12/2052
गुरु	07/12/2003	शनि	06/12/2020	बुध	07/12/2027	केतु	07/12/2047	शुक्र	06/12/2053

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/12/2053		07/12/2063		06/12/2070		06/12/2088		07/12/2104	
07/12/2063		06/12/2070		06/12/2088		07/12/2104		00/00/0000	
चंद्र	06/10/2054	मंगल	04/05/2064	राहु	19/08/2073	गुरु	24/01/2091	शनि	11/12/2107
मंगल	08/05/2055	राहु	22/05/2065	गुरु	12/01/2076	शनि	06/08/2093	बुध	20/08/2110
राहु	05/11/2056	गुरु	28/04/2066	शनि	18/11/2078	बुध	12/11/2095	केतु	29/09/2111
गुरु	07/03/2058	शनि	07/06/2067	बुध	06/06/2081	केतु	18/10/2096	शुक्र	15/02/2114
शनि	07/10/2059	बुध	03/06/2068	केतु	25/06/2082	शुक्र	19/06/2099		00/00/0000
बुध	07/03/2061	केतु	30/10/2068	शुक्र	25/06/2085	सूर्य	07/04/2100		00/00/0000
केतु	06/10/2061	शुक्र	30/12/2069	सूर्य	19/05/2086	चंद्र	07/08/2101		00/00/0000
शुक्र	07/06/2063	सूर्य	07/05/2070	चंद्र	18/11/2087	मंगल	14/07/2102		00/00/0000
सूर्य	07/12/2063	चंद्र	06/12/2070	मंगल	06/12/2088	राहु	07/12/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।